PROF. MANOJ KUMAR JHA: I want to express my opinion on behalf of people of Bihar. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: I have yielded... ...*(Interruptions)*...

श्री राम नाथ ठाकुर: सर, हम राज्य सभा में नहीं बोलेंगे तो कहाँ बोलेंगे? ...(**व्यवधान**)... हम सदन में नहीं बोलेंगे तो फिर बोलेंगे कहाँ? ...(**व्यवधान**)...

PROF. MANOJ KUMAR JHA: The National Human Rights Commission...*(Interruptions)*...human rights...*(Interruptions)*... This cannot be accepted. This House is the Council of States. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Prof. Jha, you are misusing the platform of this House now. ...*(Interruptions)*... Please don't do it. ...*(Interruptions)*... Shri Rajmani Patel. ...*(Interruptions)*...

श्री राम नाथ ठाकुर : सर, यह अन्याय हो रहा है। ...(**व्यवधान**)... गुजरात नहीं गया, हरियाणा नहीं गया, उत्तर प्रदेश नहीं गया, तो बिहार में ही क्यों? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप बैठिए, बैठिए। ...(**व्यवधान**)... श्री राजमणि पटेल। ...(**व्यवधान**)...

Appointment of Vice-Chancellor of Allahabad University

श्री राजमणि पटेल (मध्य प्रदेश) : माननीय सभापति जी, मैं इलाहाबाद विश्वविद्यालय में की गई अयोग्य नियुक्तियों को निरस्त किए जाने के संबंध में एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाना चाहता हूँ।

इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय भारत का एक प्रमुख शिक्षा-केन्द्र है, जिसकी गुणवत्ता एवं मेरिट की एक पहचान है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में कुलपति पद के लिए एक विज्ञापन जारी किया गया था, जिसमें प्रोफेसरशिप के कार्य का 10 वर्ष का अनुभव माँगा गया था। इसमें तीन प्रत्याशी जो सभी अर्हताओं को पूरा करते थे, उनको न लेकर अर्हता पूरी नहीं करने वाली प्रत्याशी प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव की नियुक्ति उप कुलपति के पद पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय में की गई, जो पूर्णतः अवैध है, उनके पास 10 वर्ष का अनुभव नहीं है। महोदय, 10 वर्ष का अनुभव नहीं होने के कारण सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात तथा उत्तराखंड विश्वविद्यालय के उप कुलपतियों को हटाया गया है, लेकिन इलाहाबाद के कुलपति को नहीं हटाया गया।

माननीय सभापति महोदय, उच्च न्यायालय में विक्रम नाथ जी न्यायाधीश हैं, उन्हीं की पत्नी प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव हैं। इस वजह से उनको अयोग्य होने के बावजूद नहीं हटाया गया। यह बहुत गम्भीर प्रकरण है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र इसको लेकर और छात्र संघ की बहाली को लेकर अनवरत आंदोलन कर रहे हैं। उनके ऊपर लाठी चार्ज किया गया है, गोली चार्ज

किया गया है। महोदय, हमारे भारत के जो भविष्य हैं, उन नौजवानों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव को अयोग्य होने के बावजूद क्यों नहीं हटाया गया? बिजली विभाग के 10 दस वर्ष से कम अनुभव रखने वाले कर्मचारियों को जिस न्यायाधीश के आदेश से हटाया गया हो, उसी न्यायाधीश की पत्नी की उप कुलपति के पद पर नियुक्त की गई हो, यह सरकार के लिए शर्म की बात है। उनको तत्काल हटाया जाना चाहिए और छात्रों के ऊपर से मुकदमा वापस लेना चाहिए तथा छात्र संघ की बहाली की जानी चाहिए। महोदय, उन नौजवानों के साथ बहुत अन्याय हुआ है।

श्रीमती फूलो देवी नेतम (छत्तीसगढ़) : महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्री जावेद अली खान (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूं।

†**جناب جاوید علی خان** (اترپردیش)**:** مہودے، میں بھی معزز ممبر کے ذریعہ اٹھائے گئے موضوع کے ساتھ خود کو سمبدّ کرتا ہوں۔

श्री रामजी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूं।

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. KANIMOZHI NVN SOMU (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRIMATI SHANTA CHHETRI (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

† Transliteration in Urdu script.

SHRI P. WILSON (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI A.A. RAHIM (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI AJIT KUMAR BHUYAN (Assam): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI M. MOHAMED ABDULLA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

Need to establish medical colleges in Tribal Aspirational Districts

डा. सुमेर सिंह सोलंकी (मध्य प्रदेश) : माननीय सभापति महोदय, नर्मदे हर। महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन एवं सरकार का ध्यान एक विशेष और महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। सभापति महोदय, मध्य प्रदेश के आदिवासी बाहुल्य जिलों में बड़वानी, धार, अलीराजपुर, झाबुआ, खरगोन आदि जिले आते हैं। मध्य प्रदेश के इन जिलों में वर्तमान समय में भौगोलिक स्थिति एवं जनसंख्या अनुपात को देखते हुए एक भी शासकीय मेडिकल कॉलेज नहीं है, जिससे इन क्षेत्रों के मेरे आदिवासी गरीब भाइयों और बहनों को आधुनिक चिकित्सा का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

माननीय सभापति महोदय, मैं निमाड़ क्षेत्र के आदिवासी जिले से आता हूं, यहां के मेरे आदिवासी भाई-बन्धु पहाड़ी इलाकों में निवास करते हैं, जिनका जीवन पूर्णतः कृषि व कृषि मज़दूरी पर निर्भर करता है। वर्तमान समय में इस क्षेत्र के लोग कुछ गम्भीर अनुवांशिक बीमारियों, सिकल सेल आदि से प्रभावित हैं। आज़ादी के अमृतकाल के 75 वर्ष हो चुके हैं। इन आदिवासी बाहुल्य जिलों में एक भी शासकीय मेडिकल कॉलेज नहीं है, जिससे यहां पर उत्पन्न होने वाली गम्भीर बीमारियों की रोकथाम के लिए शोधकार्य नहीं हो पा रहे हैं। गम्भीर बीमारियों के उपचार के लिए अन्य महानगरों की ओर जाना पड़ता है, जो इन गरीब आदिवासी लोगों के लिए कष्टदायी और पीड़ादायी होता है। कई बार पैसों की कमी एवं समय पर उपचार न मिलने के कारण जान से हाथ धोना पड़ता है। जनजातीय क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर नहीं होने के कारण न जाने कितने ही भाई-बन्धु अनुवांशिक बीमारी का इलाज समय पर प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं।

माननीय सभापति महोदय, क्षेत्रीय ग्रामीण जनता द्वारा लम्बे अरसे से उक्त शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों की मांग निरंतर की जा रही है, जो अभी तक लम्बित है। महोदय, माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आदिवासी भाइयों और बहनों का विकास हो रहा है। मुझे आशा है कि इन आदिवासी जिलों को मेडिकल कॉलेजेज़ मिलेंगे। मध्य प्रदेश में बड़वानी जैसे अन्य आकांक्षी जिले भी हैं। मैं वहां पर भी मेडिकल कॉलेज की मांग करता हूं। महोदय, यदि इन आदिवासी जिलों में नवीन शासकीय मेडिकल कॉलेजेज़ खोले जाएंगे तो आम